आओ आओ म्हारी दादीजी थे आंगण मं

आओ आओ म्हारी दादीजी,
थे आंगण मं,
थाने म्हें उडिका मैया जागण मं।bd।

कीर्तन की रात मैया,
बेगा बेगा आओ,
टाबरिया बुलावे मैया,
बेगा बेगा आओ,
कांई लागै है जी,
कांई लागै है जी,
मैया थारें आवण मं,
रातां म्हे जगावा थारी जागण में।bd।

ढोल नगाड़ा मैया,
मंजीरा बजावां,
मीठा मीठा दादी थाने,
भजन सुनावां,
दादी टाबरिया,
दादी टाबरिया,
नाचे है थारें आंगण मं,
रातां म्हे जगावा थारी जागण में।bd।

लाल चुनरिया मैया,
थाने उढावा,
चांदी रो मैया थारें,
छत्र लगावा,
म्हें तो फुला स्युं,
म्हें तो फुला स्युं,
सजायो थारें आंगण नं,
रातां म्हे जगावा थारी जागण में।bd।

“केशव” केवै मैया म्हारी,
अरज सुनिज्यो,
चरणां री चाकरी थे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

म्हानै भी दिज्यो,
म्हाने लाज कोनी,
म्हाने लाज कोनी,
आवे थांसु मांगण मं,
रातां म्हे जगावा थारी जागण में।bd।

आओ आओ म्हारी दादीजी,
थे आंगण मं,
थाने म्हें उडिका मैया जागण मं।bd।

– भजन लेखक व गायक –
मनीष शर्मा “मोनु”
जोरहाट (आसाम)
9854429898

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com